

BFC PUBLICATIONS PVT. LTD.

Personal Details

Author Name	ARUN PILLAI
Father Name	B. K. PILLAI
Date of Birth	1965-07-30
Contact No	9893451369
Alternate contact no.	8120427818
e-mail ID	arunsir2222@gmail.com
Nominee Name	ARTI PILLAI
Correspondence Address :	8-B/DK-5, DANISHKUNJ KOLAR ROAD
Landmark	NEAR DANISHKUNJ SQUIRE
City	BHOPAL
State	MADHYA PRADESH
Pin Code	462042
Country	India

BANK DETAILS

Account holder's name	ARUN PILLAI
Account No.	50100014140171
Bank Name	HDFC BANK

Branch	GULMOHAR COLONY, NEAR AURA MALL, BHOPAL
IFSC Code	HDFC0002486
Pan No.	AMYPP0352L

Book Details

Book Title	“मुखौटे”
How would you like your name to appear on book?	अरुण पल्लिई
Manuscript Language	Hindi
Book Genre	Fiction
Number of images (If any)	0
Manuscript Status	Completed
Book Size	5"x8"

Cover details

Synopsis

“मुखौटे” कहानी संग्रह है। इसमें लघु और बड़ी कहानियों का संग्रह है। मूलतः सभी कहानियां लोगों के दोहरे चरित्र को उजागर करती हैं। कुछ कहानियां समाज के चरित्रों के स्वार्थ और लंपटपन को सामने लाती हैं तो कुछ कहानियां महिला और पुरुषों के अलग पक्ष को भी बताती हैं। वहीं कुछ कहानियां हमारी संवेदना को झकझोरती हैं और ज़िंदगी की कड़वी सच्चाई को बयां करती हैं। कुल मिलाकर सभी कहानियां किसी न किसी सामाजिक मुद्दों को छेड़ती हैं। कहानियों को अंजाम तक पहुंचाने की बजाय उसे पाठक पर छोड़ दिया गया है कवि उसका अंत करें। कहानी को कल्पना की उड़ान देने की बजाय वास्तविकता के नकिट रखा गया है। किसी चरित्र को महानता के चोले में लपेटने की बजाय उसे वास्तविकता के धरातल पर सामान्य चरित्र की तरह दिखाया गया है।

Blurb

हम सभी इस दुनिया में “मुखौटे” लगाकर जीते हैं और उन्हीं मुखौटों के साथ वदि हो जाते हैं। सुंदर दखिने की चाहत में हम सब अपने चेहरों पर कतिने ही कृत्रमि आवरण चढ़ाते रहते हैं और अपनी असलयित अपने वास्तवकि चेहरे को अपने दलि के स्याह कमरों में बंद करके भूल जाते हैं कहिम जसिसे मलि रहे हैं] वह भी उसी तरह की ज़दिगी जी रहा है। कहानियों को अंजाम तक पहुंचाने की बजाय पाठक पर छोड़ दिया गया है कवि उसका अंत तय करें। कहानी को कल्पना की उड़ान देने की बजाय वास्तवकिता के नकिट रखा गया है। करिदारों को महानता के चोले में लपेटने की बजाय उसे वास्तवकिता के धरातल पर सामान्य मनुष्य की तरह दखियाया गया है। यह कहानियां हमारी संवेदना को झकझोरती हैं और ज़दिगी की कड़वी सच्चाई

Author Bio

नाम- अरुण पल्लिई

शकिषा- एमए. बीएड. (हदिी साहतिय)

नविस- भोपाल (मध्य प्रदेश)

व्यवसाय- अध्यापन एवं लेखन

अनुभव- पत्रकारति एवं अध्यापन

प्रकाशन- प्रथम

प्रकाशन वर्ष- 2021-22